

مرا هر جایی می خوانند

وحید خانممدی

انتشارات شب چله

۱۳۹۴

سرشناسه: خانمحمدی، وحید / ۱۳۵۹  
عنوان و نام پدیدآورنده: مرا هر جایی می خوانند / وحید خانمحمدی  
مشخصات نشر: تهران: نشر شب چله، ۱۳۹۴  
مشخصات ظاهری: ص ۱۰۴؛ رقعی  
شابک ۸-۰۱-۷۹۱۶-۶۰۰-۹۷۸  
فهرست نویسی بر اساس اطلاعات فیبا.  
ردم بندی کنگره: ۱۳۹۴ ع م ۸۲۱۷/الف/۸۳۴۲ PIR  
بیوبی: ۸۶۲/۱۶۱  
کتابشناسی: ۳۸۹۸۹۳۲  
موضوع: نشر تاریخی - قرن ۱۴

### انتشارات شب چله

عنوان و نام پدیدآورنده: : مرا هر جایی می خوانند / وحید خانمحمدی (یاور)

چاپ اول: ۱۳۹۴

شمارگان: ۱۰۰۰

شابک ۸-۰۱-۷۹۱۶-۶۰۰-۹۷۸

قیمت: ۱۰۰۰۰۰ ریال

حق چاپ به هر شکل مکتوب و غیر مکتوب مخصوص و محفوظ است



انتشارات شب چله

آدرس: تهران - خیابان آزادی - روبروی بهبودی - ساختمان فجر - پلاک ۴۴۲ - طبقه ۲ - واحد ۵

تلفن: ۰۶۶۰۳۰۴۹۶ - ۰۹۱۱۳۴۴۸۶۴۰

Jafar.mohamadivajargahi@yahoo.com

## فهرست

| صفحه | عنوان             |
|------|-------------------|
| ۹    | سراب              |
| ۱۱   | خانه خراب         |
| ۱۲   | انگشتر نیاز       |
| ۱۴   | نوشدارو           |
| ۱۵   | حواترین حد        |
| ۱۶   | دلدادگی           |
| ۱۷   | صدای مرگ          |
| ۱۸   | جعبه آبرنگ        |
| ۲۰   | یدر               |
| ۲۱   | برهوت نفس         |
| ۲۲   | دل اگر دل باشد    |
| ۲۳   | عشق صدای فاصله ها |
| ۲۴   | سوختن و ساختن     |
| ۲۵   | تقاطع پرواز هوس   |
| ۲۶   | اهل بلا           |
| ۲۷   | زمین خوابها       |
| ۲۸   | فرشته ی معصوم     |
| ۲۹   | قسمت              |
| ۳۰   | تاوان دلدادگی     |
| ۳۱   | نادر              |
| ۳۳   | غرق خیالات        |
| ۳۴   | پروانگی           |
| ۳۵   | مهر بی مهر        |

|    |                   |
|----|-------------------|
| ۳۶ | لاشه ی احساس      |
| ۳۷ | عود وحشی          |
| ۳۸ | جنون رویایی       |
| ۳۹ | کودکی یتیم        |
| ۴۰ | چشمان تو          |
| ۴۱ | مبار چشمانت       |
| ۴۲ | هکاه خلقت         |
| ۴۳ | خشم مرگ           |
| ۴۴ | قتل عمار          |
| ۴۵ | زیباترین غزل شمس  |
| ۴۶ | باران             |
| ۴۷ | پانتومیم عشق      |
| ۴۸ | آشوب              |
| ۴۹ | غزل عشق           |
| ۵۰ | سرطان عشق         |
| ۵۱ | نابودی باورها     |
| ۵۲ | کوزه های خالی عشق |
| ۵۳ | سخنی با سهراب     |
| ۵۵ | کابوس این شبها    |
| ۵۶ | طیب و زهر         |
| ۵۷ | سکوت              |
| ۵۸ | تلخ و تلخ تر      |
| ۵۹ | جنگ تن به تن      |
| ۶۰ | باران ۲           |
| ۶۱ | جهنم دره          |
| ۶۲ | فاصله ها          |

|    |                      |
|----|----------------------|
| ۶۳ | دریای طوفانی         |
| ۶۵ | زلفان طغیانگر        |
| ۶۶ | گورستان متروک        |
| ۶۷ | عابر شبهای خلوت      |
| ۶۸ | دستان پینه بسته      |
| ۶۹ | حسود                 |
| ۷۰ | شاه بیت عاشقانه      |
| ۷۱ | مخاطب خاص            |
| ۷۲ | کندوی عسل            |
| ۷۳ | قصه های هزار و یک شب |
| ۷۴ | خواب فرشتگان         |
| ۷۵ | جولانگاه ارواح       |
| ۷۶ | تقویم من             |
| ۷۷ | نوبرانه عشق          |
| ۷۸ | نک گیر               |
| ۷۹ | چال گونه هایت        |
| ۸۰ | بساط عیش و نوش       |
| ۸۲ | آینه ی پیر           |
| ۸۳ | گاه باید گاه باید    |
| ۸۵ | صدای انفجار          |
| ۸۶ | رسول بی کتاب         |
| ۸۷ | خرده نگیر از من      |
| ۸۹ | رقیب کور دل          |
| ۹۰ | انبیاء باروت         |
| ۹۱ | دنیای بی رنگ         |
| ۹۲ | آرامش قبل طوفان      |

|     |                     |
|-----|---------------------|
| ۹۴  | هزبان کابوس و طوفان |
| ۹۵  | احساس یتیم          |
| ۹۶  | غریبه               |
| ۹۷  | دیگر سخن نخواهم گفت |
| ۹۹  | پرتگاه حادثه        |
| ۱۰۰ | تولد دوباره         |
| ۱۰۲ | سوزش                |
| ۱۰۴ | جاذبه‌ی چشمانت      |